ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 08-08-2023

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-08-08 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-08-09	2023-08-10	2023-08-11	2023-08-12	2023-08-13
वर्षा (मिमी)	50.0	65.0	60.0	50.0	45.0
अधिकतम तापमान(से.)	22.0	21.0	20.0	21.0	21.0
न्यूनतम तापमान(से.)	15.0	16.0	16.0	16.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	95	95	95	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	75	75	75
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	8	4	4	6
पवन दिशा (डिग्री)	130	70	70	70	140
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	8	7	6	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में 13 अगस्त तक मध्यम से भारी बारिश (45-65 मिमी) होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 22.0 डिग्री सेल्सियस और 15-16.0 डिग्री सेल्सियस के बीच हो सकता है। पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 4.0-8.0 किमी/घंटा की गति से हवा चलेगी। 9 और 10 अगस्त को अधिकांश स्थानों पर हल्के से मध्यम बारिश/आंधी तूफान आने की संभावना है और इसी तरह की स्थिति 8, 11 और 12 अगस्त, 2023 को नैनीताल के अधिकांश स्थानों पर बने रहने की संभावना ह। चेतावनी: नारंगी अलर्ट गरज/बिजली और तीव्र बारिश के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा की घटना के संबंध में 8, 9, 10 और 12 अगस्त के लिए जारी किया गया है और 11 अगस्त के लिए भी इन्हीं स्थितियों को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

सामान्य सलाहकार:

27 जुलाई से 2 अगस्त तक राज्य के लिए वास्तविक वर्षा 67 मिमी थी जो सामान्य वर्षा (102 मिमी) के मुकाबले 34% की कमी दर्शाती है। 4-10 अगस्त के लिए विस्तारित सीमा पूर्वानुमान से पता चलता है कि राज्य में 81 मिमी सामान्य वर्षा के मुकाबले 58 मिमी बारिश हो सकती है जो 41% की कमी का प्रतिनिधित्व करती है। 26 जुलाई से 2 अगस्त तक जिलेवार साप्ताहिक वर्षा 99 मिमी थी जिसे सामान्य वर्षा की श्रेणी में रखा गया है और राज्य में 4-10 अगस्त के लिए अनुमानित वर्षा को कम श्रेणी में रखा गया है। जिले और राज्य के लिए वर्षा पैटर्न स्पष्ट रूप से अत्यधिक परिवर्तनशील वर्षा पैटर्न को दर्शाता है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान आदि की जानकारी के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें बिजली संबंधी जानकारी पाने के लिए कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स कर सकते हैं गूगल प्ले स्टोर (Android उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। इससे उन्हें मदद मिलेगी कृषि गतिविधियों के संबंध में सही निर्णय लेना।

लघु संदेश सलाहकार:

जिले में मध्यम से भारी वर्षा का पूर्वानुमान है इसलिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और तदनुसार खेती की गतिविधियां की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
रागी	फसलों की निगरानी करते रहे और आवश्यकता अनुसार निराई-गुड़ाई करें। वर्षा के पश्चात उचित नमी होने पर 0.9 किग्रा यूरिया की दर से टॉप-ड्रेसिंग करें।खेत में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और सभी कृषि गतिविधियों पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।
चावल	जेठी धन में निराई-गुड़ाई का काम संपन्न कर खरपतवार निकल ले। वर्षा के पश्चात उचित नमी होने पर 1.25 किग्रा यूरिया प्रति नाली की दर से टॉप-ड्रेसिंग करें। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
मक्का	चूंकि वर्षा की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए सभी रासायनिक अनुप्रयोग और खेती के कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किए जाने चाहिए दिमाग। खेत में जल निकासी का उचित प्रबंध रखें तथा सिंचाई बंद कर दें।
सोयाबीन	फसल में नियमित निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा उचित जल निकास की व्यवस्था करनी चाहिए। सभी कृषि गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आम	आम के बीज/गुठली की बुआई का कार्य अगस्त के प्रथम पखवाड़े में जारी रखना चाहिए। एक वर्ष पुराने अंकुर पौधा की ग्राफ्टिंग किसी अन्य स्थान पर रोपने के बाद करनी चाहिए। कृषि कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए क्योंकि भारी वर्षा का पूर्वानुमान है।
गोभी	पत्तागोभी, फूलगोभी, ब्रोकोली और नॉल-खोल की अगेती किस्मों के साथ-साथ में जड़ वाली फसलें जैसे मूली और शलजम की रोपाई मध्य पहाड़ी क्षेत्रों में की जा सकती हैं, लेकिन खेत में पर्याप्त नमी होने के बाद ही क्युकी भरी बारिश का पूर्वानुमान है ।अनुमानित वर्षा के अनुसार उचित जल निकासी के उपाय किये जाने चाहिए।
टमाटर	फलों की तुड़ाई निरंतर जारी रखनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए।
शिमला मिर्च	फलों की तुड़ाई निरंतर जारी रखनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए।
बैंगन	फलों की तुड़ाई निरंतर जारी रखनी चाहिए तथा खेत में उचित जल निकास का ध्यान रखना चाहिए।
कद्दू	कद्दू वर्गीय सब्जियों को बिक्री के लिए बाजार में भेजा जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशु के ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक कोई एक दवा 200 मिली मात्रा से सुबह-शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए।
गाय	पशु के ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक कोई एक दवा 200 मिली मात्रा से सुबह-शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए।